वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

किसान मेला सह कृषि तकनीकी प्रदर्शनी 2022

भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान, नामकुम, रांची

दिनांक : 26 एवं 27 फरवरी, 2022

वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 26 एवं 27 फरवरी, 2022 को भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान, नामकुम, रांची द्वारा आयोजित किसान मेला सह कृषि तकनीकी प्रदर्शनी 2022 में भाग लिया एवं आवंटित स्टाल संख्या 08 में संस्थान की अनुसन्धान विस्तार गतिविधियां सम्बंधी पोस्टर एवं उत्पाद की प्रदर्शनी लगायी गयी। पोपलर के साथ कृषि वानिकी, लाह उत्पादन, बांस उत्पादन एवं पौधशाला के विभिन्न तकनीकों को दर्शाते हुए पोस्टर एवं विभिन्न प्रजाति के बांस पौधे स्टाल के लिए आकर्षण रहें। माननीय राज्यपाल झरखंड सरकार, श्री रमेश बैस, माननीय सांसद, रांची श्री संजय सेठ, निदेशक भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान, नामकुम एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने स्टाल का भ्रमण किया। श्री रविशंकर प्रसाद एवं अन्य उपस्थित अधिकारीयों एवं कर्मचारियों ने संस्थान के कार्यों का वर्णन करते हुए वानिकी के क्षेत्र में भारत के पूर्वी क्षेत्र (पश्चिम बंगाल, बिहार एवं झारखंड) के एकमात्र वानिकी शोध संस्थान वन उत्पादकता संस्थान, द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तृत रूप से प्रदर्शित किया। वनोत्पाद पर शोध एवं ग्रामीणों के जीविकोपार्जन के लिए अकाष्ट वनोत्पाद के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों

की भी माननीय राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत की गयी। माननीय राज्यपाल ने संस्थान के स्टाल एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए झाड़ू बांस उपलब्ध कराने की इच्छा प्रकट की। मंच साझा करते हुए श्री रविशंकर प्रसाद ने संस्थान के गतिविधियों के बारे में किसानों एवं श्रोताओं को सम्बोधित किया।

आगंतुक किसानों, छात्रों, महिलाओं, स्वयं सहायता समुहों के सदस्यों को लाह की खेती, बांस उत्पादन, अकाष्ट वनोत्पाद संग्रहण आदि समझाते हुए अध्यन सामग्री जैसे पम्प्लेट, बुकलेट आदि वितरित किये गए । कुल 115 लोगों ने स्टाल का भ्रमण किया।

द्वितीय दिन भी स्टाल लगाकर अपनी तकनीकी की प्रचार-प्रसार किया गया। राज्यपाल महोदय को झाड़ू बांस उपलब्ध कराया गया तथा वन उत्पादकता संस्थान के भ्रमण का आग्रह किया गया। आयोजित मेले में भाग लेने के लिये संस्थान को भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान, नामकुम द्वारा सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में वन-वर्धन एवं प्रबंधन प्रभाग के रविशंकर प्रसाद, श्री करम सिह मुण्डा, विस्तार प्रभाग के श्री एस.एन.वैद्य, श्री बी.डी.पंडित एवं श्री सूरज कुमार ने सराहनीय योगदान दिया।